16 MARCH 2021

PT CARD

संस्कृति IAS

प्रोजेक्ट री-हैब (Project Re-Hab)

- खादी और ग्रामोद्योग आयोग (Khadi and Village Industries Commission - KVIC) ने **मानव-हाथी संघर्ष की घटनाओं को नियंत्रित करने के लिये** प्रोजेक्ट री-हैब की शुरुआत की है।
- इस परियोजना में मानव हाथी संघर्ष को कम करने के लिये **मधुमक्खियों के बाड़ स्थापित किये जाएंगे**, ताकि हाथी, मानव बस्तियों में प्रवेश न कर सकें। ऐसा माना जाता है कि हाथी मनोवैज्ञानिक रूप से मधुमक्खियों से डरते हैं।

- इस परियोजना की शुरुआत कर्नाटक के कोडागु ज़िले के चेलूर गाँव के आस-पास के चार स्थानों में की गई है। ये क्षेत्र **नागरहोल राष्ट्रीय उद्यान व बाघ अभयारण्य** के बाहरी इलाकों में स्थित हैं। ध्यातव्य है कि भारत में हाथियों के हमले में हर वर्ष लगभग 500 लोग मारे जाते हैं।
- प्रोजेक्ट री-हैब के.वी.आई.सी. के राष्ट्रीय शहद मिशन के तहत एक उपमिशन है। शहद मिशन, मधुवाटिकाएँ स्थापित कर मधुमक्खियों की संख्या व शहद उत्पादन बढ़ाने के साथ ही मधुमक्खी पालकों की आय बढ़ाने के लिये एक राष्ट्रीय परियोजना है।
- खादी और ग्रामोद्योग आयोग, **सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग मंत्रालय** के अधीन **'खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग अधिनियम 1956'** के तहत गठित एक सांविधिक निकाय है। इसका प्रमुख उद्देश्य ग्रामीण इलाकों में खादी एवं ग्रामोद्योगों की स्थापना व विकास के लिये योजना बनाना, प्रचार करना, सुविधाएँ एवं सहायता प्रदान करना है। इसका मुख्यालय मुंबई में है।

सामान्य अध्ययन का नया बैच 12 अप्रैल, 3 बजे
7428085757/58

17 MARCH 2021

PT CARD

संस्कृति IAS

भओना (Bhaona)

- भओना असम में प्रचलित मनोरंजन का एक पारंपरिक कला-रूप है, जिसमें धार्मिक संदेशों के प्रसार हेतु **पौराणिक कथाओं पर आधारित नाट्य मंचन** किया जाता है। यह मुख्य रूप से **वैष्णव संप्रदाय से संबंधित** है।

- भओना की शुरुआत संत शंकरदेव द्वारा लगभग 500 वर्ष पूर्व की गई थी। इसमें **शंकरदेव द्वारा रचित 'अंकिया नाट' का मंचन** किया जाता है। इसका मंचन 'जतरा' (वैष्णव मठ) तथा 'नामघर' (मंदिर) में होता है। असम का माजुली क्षेत्र भओना का मुख्य केंद्र माना जाता है।
- भओना में विशेष प्रकार की वेशभूषा तथा आभूषणों से सुसज्जित कलाकार नाटक, संवाद, गीत एवं नृत्य प्रस्तुत करते हैं। इसमें पारंपरिक वाद्ययंत्रों; ताल, डोबा, खोल, नगाड़ा और पारंपरिक हथियारों; धनुष एवं तलवार का प्रयोग किया जाता है।
- भओना में असमिया तथा ब्रजबुली भाषाओं का प्रयोग किया जाता है। इसके तीन प्रकार हैं– 1. मुखा भओना, 2. बोका भओना 3. बारेसरिया भओना।
- ध्यातव्य है कि अक्तूबर 2019 में अबू धाबी में भओना का मंचन किया गया था। वर्तमान में, असम में चुनाव प्रचार के दौरान स्थानीय लोगों को आकर्षित करने के लिये राजनीतिक दलों द्वारा भओना का मंचन किया जा रहा है।

संस्कृति IAS

सामान्य अध्ययन का नया बैच 12 अप्रैल, 3 बजे | 7428085757/58

18 MARCH 2021

PT CARD

संस्कृति IAS

विश्व वायु गुणवत्ता रिपोर्ट 2020 (World Air Quality Report)

- स्विट्ज़रलैंड की वायु-गुणवत्ता प्रौद्योगिकी कंपनी आई.क्यू. एयर (IQ Air) द्वारा 'विश्व वायु गुणवत्ता रिपोर्ट 2020' रिपोर्ट जारी की गई है। यह रिपोर्ट विश्व के **106 देशों के PM 2.5 प्रदूषण के आँकड़ों** पर आधारित है।
- रिपोर्ट के अनुसार, **विश्व के 30 सर्वाधिक प्रदूषित शहरों में से 22 शहरों के साथ भारत शीर्ष पर** है। दिल्ली विश्व का 10वाँ सबसे प्रदूषित शहर व सर्वाधिक प्रदूषित राजधानी है। ध्यातव्य है कि दिल्ली की वायु-गुणवत्ता में वर्ष 2019 के मुकाबले वर्ष 2020 में सुधार हुआ है।
- चीन के होतान/खोतान (Hotan) शहर (PM सांद्रता 110.2 $\mu g/m^3$) के बाद **गाज़ियाबाद (PM सांद्रता 106.6 $\mu g/m^3$) विश्व का दूसरा सबसे प्रदूषित शहर** है। इसके अलावा, विश्व के शीर्ष 10 प्रदूषित शहरों की सूची में अन्य भारतीय शहर क्रमश: **बुलंदशहर, बिसरख जलालपुर, भिवाड़ी, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, कानपुर, लखनऊ और दिल्ली** हैं।

World's Most Polluted Cities

Average PM2.5 (µg/m³) in 2020

RANK	CITY	2020 AVG
1	Hotan, China	110.2
2	Ghaziabad, India	106.6
3	Bulandshahr, India	98.4
4	Bisrakh Jalalpur, India	96
5	Bhiwadi, India	95.5
6	Noida, India	94.3
7	Greater Noida, India	89.5
8	Kanpur, India	89.1
9	Lucknow, India	86.2
10	Delhi, India	84.1
11	Faridabad, India	83.3
12	Meerut, India	82.3
13	Jind, India	81.60
14	Hisar, India	81.10
15	Kashgar, China	81

- रिपोर्ट के अनुसार भारत में PM सांद्रता वर्ष 2019 के सापेक्ष कम हुई है, इसके बावजूद सबसे प्रदूषित देशों की सूची में **भारत तीसरे स्थान पर** था, जबकि वर्ष 2019 के दौरान भारत का स्थान पाँचवाँ था। वर्ष 2020 की रिपोर्ट में बांग्लादेश शीर्ष पर, जबकि पकिस्तान दूसरा सबसे प्रदूषित देश रहा। इस सूची में चीन 14वें, जबकि यू.एस.ए. 84वें स्थान पर रहा।

सामान्य अध्ययन का नया बैच 12 अप्रैल, 3 बजे | 7428085757/58

19 MARCH 2021

PT CARD

संस्कृति IAS

शैडो फिशिंग (Shadow Fishing)

- 'तच्ची-ए-गर्द शिकार' कश्मीर में **मछली पकड़ने का एक पारंपरिक तरीका** है, जिसको 'शैडो फिशिंग' के नाम से भी जाना जाता है। यह विधि विशेष रूप से श्रीनगर के **सौरा क्षेत्र (Soura Area) में स्थित अंचार झील (Anchar Lake)** से संबंधित है। अंचार झील एक चैनल के माध्यम से डल झील से जुड़ी है।
- इसमें मछुवारे मछभाले (Harpoon– नुकीले सिरे वाला एक लंबा व पतला औजार) को लेकर लकड़ी की नावों के एक छोर पर कपड़े या अस्थायी छतरियों के नीचे छिप जाते हैं। इसकी परछाई से **पानी की सतह पर बनने वाली छाया मछलियों को आकर्षित** करती है, जिससे मछलियों का शिकार करना आसान हो जाता है।
- मछली पकड़ने की इस तकनीक का प्रयोग प्राय: **सर्दियों के दौरान** किया जाता है क्योंकि इस समय मछलियाँ ठंड के कारण पानी की सतह के नीचे रहती हैं किंतु भोजन की तलाश में छाया की दिशा में चली जाती हैं। मछली पकड़ने का यह तरीका बीसवीं सदी की शुरुआत से डोगरा शासन के समय से प्रचलित है।
- उल्लेखनीय है कि डल झील और आस-पास के क्षेत्रों में प्रयोग में लाई जाने वाली लकड़ी की नावों को 'शिकारा' कहा जाता है, जो प्राय: देवदार की लकड़ी से निर्मित होती हैं।

सामान्य अध्ययन का नया बैच 12 अप्रैल, 3 बजे | 7428085757/58

20 MARCH
2 0 2 1

PT CARD

संस्कृति IAS

रीजेंट हनीईटर (Regent Honeyeater)

- रीजेंट हनीईटर, दक्षिण-पूर्वी ऑस्ट्रेलिया में पाई जाने वाली, गीत गाने वाले पक्षियों की एक प्रजाति है। पारिस्थिकी विशेषज्ञों के अनुसार इस प्रजाति के कुछ पक्षी पिछले कुछ समय से **अपने गीत गाने की बजाय अन्य प्रजातियों, जैसे फ्रायरबड्र्स (Friarbirds) और कुक्कूश्राइक्स (Cuckooshrikes) आदि के गीत** गा रहे हैं।

- यह बात विशेष इसलिये है क्योंकि यदि नर पक्षी सही गीत नहीं गाएगा तो मादा उसकी तरफ आकर्षित नहीं होगी, जिससे भविष्य में इन दोनों के सहवास में समस्या उत्पन्न हो सकती है, फलस्वरूप इनकी संख्या पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। उल्लेखनीय है कि वर्तमान में इन पक्षियों की संख्या मात्र 300 के करीब ही है।
- ऐसा अनुमान है कि अधिवास की क्षति के चलते इस प्रजाति के युवा नर अपने समूहों में बड़े न होकर भिन्न या गलत समूहों में बड़े हो रहे हैं, जिससे वे अपना गीत नहीं सीख पा रहे।
- ध्यातव्य है कि इस पक्षी पर पीले रंग की धारी पाई जाती है, जो **फ्राइजिया साम्राज्य (1200-700 ई.पू.) के दौरान प्रसिद्ध सोने की कढ़ाई के समान** प्रतीत होती है। इस वजह से इसका जंतु-वैज्ञानिक नाम 'एंथोशेरा फ्राइजिया' (Anthochaera phrygia) रखा गया है। रीजेंट हनीईटर को आई.यू.सी.एन. की रेडलिस्ट में **गंभीर रूप से संकटग्रस्त** पक्षी की श्रेणी में रखा गया है।

प्रथम एवं द्वितीय बैच फुल | तृतीय बैच में नामांकन जारी | 7428085757/58

22 MARCH
2021

PT CARD

ग्राम उजाला कार्यक्रम (Gram Ujala Programme)

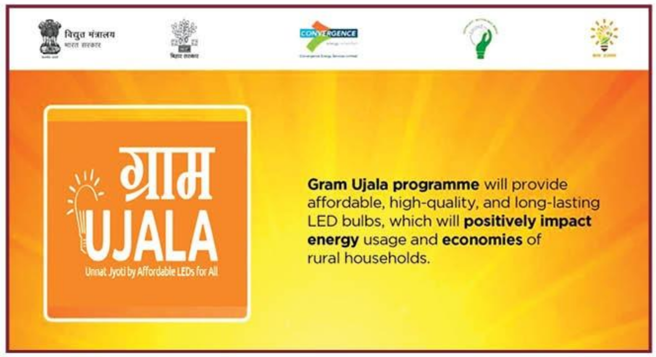

- नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने बिहार के आरा ज़िले से ग्राम उजाला कार्यक्रम का शुभारंभ किया है। कार्यक्रम के तहत ग्रामीण उपभोक्ताओं को घर में लगे सामान्य बल्बों के बदले मात्र 10 रुपए में एल.ई.डी. बल्ब (प्रति घर अधिकतम 5 बल्ब) दिये जाएंगे। इस कार्यक्रम के पहले चरण में आरा (बिहार), वाराणसी (उत्तर प्रदेश), विजयवाड़ा (आंध्र प्रदेश), नागपुर (महाराष्ट्र) और पश्चिमी गुजरात के गाँवों में 1.5 करोड़ एल.ई.डी. बल्ब वितरित किये जाएंगे।
- इस कार्यक्रम का जलवायु परिवर्तन से संबंधित भारत के प्रयासों पर उल्लेखनीय प्रभाव पड़ेगा। इससे प्रतिवर्ष 202.5 करोड़ यूनिट (किलोवाट प्रति घंटा) विद्युत की बचत होगी, जबकि प्रतिवर्ष 16.5 लाख टन कार्बन उत्सर्जन में कमी भी आएगी।
- ग्राम उजाला कार्यक्रम को पूर्णत: 'कार्बन क्रेडिट' के माध्यम से वित्तपोषित किया जाएगा, भारत में इस तरह का यह पहला कार्यक्रम होगा।
- कार्बन क्रेडिट वास्तव में कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन नियंत्रण का एक प्रयास है। इसके अनुसार, यदि कोई देश निर्धारित स्तर से नीचे कार्बन उत्सर्जन कर रहा है, तो उस निर्धारित स्तर और देश द्वारा उत्सर्जित कार्बन के बीच का अंतर उस देश का कार्बन क्रेडिट कहलाता है। ध्यातव्य है कि क्योटो प्रोटोकॉल (वर्ष 1997) में सर्वप्रथम कार्बन क्रेडिट की बात की गई थी।

प्रथम एवं द्वितीय बैच फुल | तृतीय बैच में नामांकन जारी | 7428085757/58

23 MARCH 2021

PT CARD

संस्कृति IAS

कृत्रिम प्रकाश संश्लेषण (Artificial Photosynthesis : AP)

- विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के स्वायत्त संस्थान 'जवाहरलाल नेहरू उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्र' के वैज्ञानिकों ने वातावरण से **कार्बन डाइऑक्साइड को कम करने के लिये** प्रकाश संश्लेषण की प्राकृतिक प्रक्रिया का अनुसरण करते हुए 'कृत्रिम प्रकाश संश्लेषण' (AP) का विकास किया है।

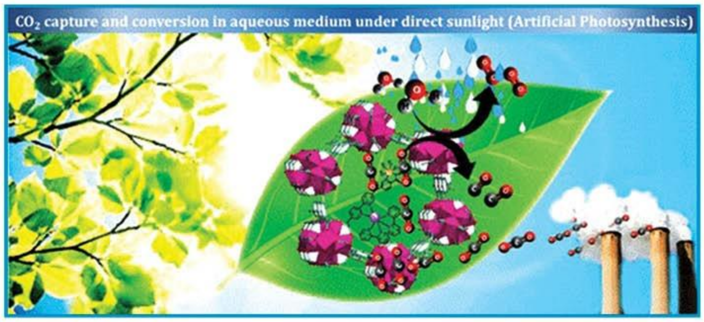
CO_2 capture and conversion in aqueous medium under direct sunlight (Artificial Photosynthesis)

- इससे वातावरण में **मौजूद अतिरिक्त कार्बन डाइऑक्साइड को** कैप्चर (Capture) व रूपांतरित करके **ईंधन में परिवर्तित** किया जा सकेगा। ए.पी., सौर ऊर्जा का उपयोग करता है और कैप्चर किये गए **कार्बन डाइऑक्साइड को कार्बन मोनोऑक्साइड (CO) में परिवर्तित** करता है, जिसका उपयोग आंतरिक दहन इंजन के लिये ईंधन के रूप में किया जा सकता है। साथ ही, इस प्रक्रिया में **पानी से ऑक्सीजन भी** उत्पन्न होता है।
- ए.पी. में अपेक्षाकृत सरल नैनो-संरचना (Nanostructures) के साथ प्राकृतिक प्रकाश संश्लेषण के समान मौलिक प्रक्रिया का संचालन किया जाता है। इसके लिये प्रकाश-संवेदी (Photosensitizer) को शामिल करते हुए एक एकीकृत उत्प्रेरक प्रणाली का निर्माण किया गया है। यह सौर ऊर्जा और एक उत्प्रेरक केंद्र का उपयोग करता है, जो अंततः CO_2 को कम करने में सहायक होता है।
- उल्लेखनीय है कि **प्रकाश-संवेदी** ऐसे अणु हैं, जो **प्रकाश को अवशोषित करते हैं और आपतित प्रकाश से इलेक्ट्रॉन को अन्य निकटतम अणुओं में स्थानांतरित** कर देते हैं।

प्रथम एवं द्वितीय बैच फुल | तृतीय बैच में नामांकन जारी | 7428085757/58

24 MARCH 2021

PT CARD

संस्कृति IAS

एल्यूमीनियम-एयर बैटरी (Aluminium-Air Battery)

- 'एल्यूमीनियम-एयर बैटरी' वायु की **ऑक्सीजन का उपयोग** करती है जो एल्यूमीनियम का ऑक्सीकरण करने तथा विद्युत उत्पादन के लिये एल्यूमीनियम हाइड्रॉक्साइड विलयन के साथ अभिक्रिया करती है।

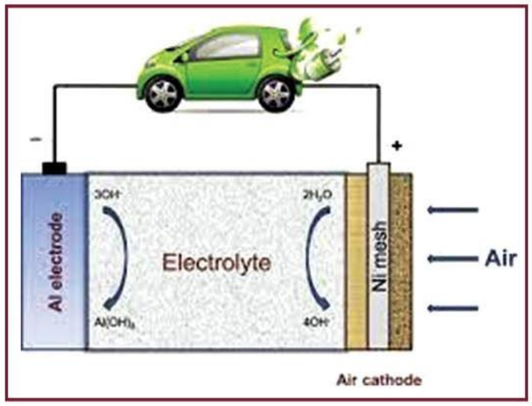

- एल्यूमीनियम-एयर बैटरी को **लिथियम-आयन बैटरी की अपेक्षा कम लागत** वाली और **अधिक ऊर्जा-प्रभावी** विकल्प माना जा रहा है, इससे इलेक्ट्रिक वाहन की लागत कम हो सकती है।
- लिथियम-आयन बैटरी की तरह **इस बैटरी को रिचार्ज नहीं किया** जा सकता है। अत: एल्यूमीनियम-एयर बैटरी आधारित वाहनों के बड़े पैमाने पर संचालन के लिये **'बैटरी स्वैपिंग स्टेशंस' की भारी आवश्यकता** होगी।
- हालाँकि, एल्यूमीनियम-एयर बैटरी आधारित इलेक्ट्रिक वाहन एक बार में 400 किमी. या उससे अधिक की दूरी तय कर सकते है, जबकि लिथियम-आयन बैटरी पूर्णतया चार्ज होने की स्थिति में 150-200 किमी. की दूरी तय के लिये ही उपयोगी हो सकती है।
- उल्लेखनीय है कि सरकारी स्वामित्व वाली इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने इज़राइल की बैटरी प्रौद्योगिकी स्टार्टअप 'फ़िनर्जी' के साथ मिलकर इलेक्ट्रिक वाहनों और स्थाई भंडारण (Stationary Storage) के लिये एल्यूमीनियम-एयर प्रौद्योगिकी आधारित बैटरी प्रणाली विकसित करने पर सहमति जताई है, जो हाइड्रोजन भंडारण के लिये भी उपयुक्त है।

प्रथम एवं द्वितीय बैच फुल | तृतीय बैच में नामांकन जारी | 7428085757/58

25 MARCH 2021

PT CARD

संस्कृति IAS

शिगमोत्सव (Shigmotsav)

- 'शिगमो' अथवा 'शिगमोत्सव' **गोवा के आदिवासी समुदायों द्वारा** 'धान की समृद्ध और सुनहरी फसल' के लिये मनाया जाने वाला उत्सव है। **कुनबी, गावड़ा और वेलिप सहित विभिन्न कृषि समुदाय** इस त्यौहार को मनाते हैं। यह त्योहार **वसंत की शुरुआत** का भी प्रतीक है।
- शिगमोत्सव हिंदू पंचांग के अनुसार **फाल्गुन-चैत्र माह के दौरान** एक पखवाड़े से अधिक समय तक चलता है, जो ग्रेगोरियन कैलेंडर में प्रत्येक वर्ष मार्च-अप्रैल का समय होता है। यह त्योहार 'नमन' प्रथा के साथ शुरू होता है, जिसमें स्थानीय देवताओं का वंदन किया जाता है।

- इस दौरान प्रतिभागी पौराणिक स्थापनाओं, चित्रित चेहरों और विभिन्न रंग की पारंपरिक व रंगीन वेशभूषा से सुसज्जित होते हैं। यह रंगों, गीतों और नृत्यों का एक जीवंत उत्सव है जो गोवा की संस्कृति व परंपराओं से जुड़ा हुआ है।
- इस दौरान प्रतिभागी **घोड़ेमोदिनी (घुड़सवार योद्धाओं का नृत्य), गोपा और फुगड़ी जैसे लोक नृत्यों का प्रदर्शन** करते हैं। साथ ही, घुमत, ढोल, मढ़ले और ताशे जैसे वाद्य यंत्रों का भी प्रयोग इसमें किया जाता है।

प्रथम एवं द्वितीय बैच फुल | तृतीय बैच में नामांकन जारी | 7428085757/58

26 MARCH 2021

PT CARD

संस्कृति IAS

संयुक्त राष्ट्र प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
(United Nations Institute for Training and Research – UNITAR)

- 'संयुक्त राष्ट्र प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान' प्रशिक्षण के लिये समर्पित संयुक्त राष्ट्र प्रणाली की एक शाखा है। यह संस्थान मुख्य रूप से विकासशील देशों, अल्प विकसित देशों (LDCs), छोटे द्वीपीय विकासशील देशों तथा अन्य सर्वाधिक सुभेद्य समूहों व समुदायों की सहायता हेतु प्रशिक्षण एवं क्षमता विकास गतिविधियाँ आयोजित करता है।
- इसकी स्थापना संयुक्त राष्ट्र महासभा की आर्थिक एवं सामाजिक परिषद् की सिफारिश पर वर्ष 1963 में की गई थी। संयुक्त राष्ट्र प्रणाली के अंतर्गत एक स्वायत्त निकाय के रूप में संचालित इस संस्थान का नेतृत्व एक कार्यकारी निदेशक द्वारा किया जाता है। वर्तमान में भारत के निखिल सेठ इसके कार्यकारी निदेशक हैं, जिन्हें वर्ष 2015 में नियुक्त किया गया था।
- यह एक परियोजना-आधारित संगठन है, जो पूर्णत: स्वैच्छिक योगदान से वित्तपोषित है। विदित है कि संयुक्त राष्ट्र के नियमित बजट से इसे कोई धनराशि प्रदान नहीं की जाती है। इसका मुख्यालय जिनेवा (स्विट्ज़रलैंड) में अवस्थित है। इस संस्थान ने गैर-संचारी रोगों से होने वाली समयपूर्व मृत्यु दर को कम करने में भारत की उल्लेखनीय प्रगति की सराहना की।

प्रथम एवं द्वितीय बैच फुल | तृतीय बैच में नामांकन जारी | 7428085757/58

PT CARD

संस्कृति IAS

निसार (NISAR)

- **नासा और इसरो द्वारा** संयुक्त रूप से विकसित किये जा रहे 'निसार' उपग्रह का पूरा नाम– **'नासा-इसरो सिंथेटिक एपर्चर रडार'** (NASA - ISRO Synthetic Aperture Radar : NISAR) है। इसे वर्ष **2022 में श्रीहरिकोटा** के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र **से एक निकट-ध्रुवीय कक्षा में** प्रक्षेपित किया जाएगा।

- उल्लेखनीय है कि **'सिंथेटिक एपर्चर रडार' उच्च-रिज़ॉल्यूशन वाली छवियों** को प्राप्त करने और वस्तुओं के **दो-आयामी चित्र या त्रि-आयामी संरचना बनाने** के लिये प्रयुक्त एक तकनीक है। यह रडार मौसम, बादल, कोहरे या सूर्य की कम रोशनी और अंधेरे से अप्रभावित रहता है तथा **सभी परिस्थितियों में डाटा एकत्र कर सकता** है।
- यह उपग्रह **इमेजिंग के अपने तीन-वर्षीय** मिशन के दौरान **प्रत्येक 12 दिनों में पृथ्वी का अवलोकन** (स्कैन) करेगा। भूमि, आइस शीट और समुद्री बर्फ की इमेजिंग द्वारा यह पृथ्वी पर होने वाली हलचल का अति सूक्ष्म स्तर तक पता लगाएगा।
- इसके प्राथमिक लक्ष्यों में ज्वालामुखी उद्‌गार की चेतावनी, भूजल उपलब्धता की निगरानी में मदद और आइस शीट के पिघलने की दर को ट्रैक करना शामिल है। गौरतलब है कि निसार नासा द्वारा लॉन्च किये गए अब तक के सबसे बड़े परावर्तक एंटीना से लैस होगा।
- सितंबर 2014 में हुए समझौते के अनुसार, नासा इस उपग्रह के लिये एक रडार, वैज्ञानिक डाटा के लिये एक उच्च दर वाली संचार उप-प्रणाली, जी.पी.एस. रिसीवर और एक पेलोड डाटा सबसिस्टम प्रदान करेगा; जबकि इसरो, स्पेसक्राफ्ट बस, एस-बैंड रडार, लॉन्च वाहन और संबंधित लॉन्च सेवाएँ प्रदान करेगा।

प्रथम एवं द्वितीय बैच फुल | तृतीय बैच में नामांकन जारी | 7428085757/58

प्रिज़्म योजना (PRISM Scheme)

- 'प्रिज़्म' का पूरा नाम **'व्यक्तिगत, स्टार्ट-अप और एम.एस.एम.ई. में नवाचार संवर्धन'** (Promoting Innovations in Individuals, Start-ups and MSMEs-PRISM) है। यह नवाचार को बढ़ावा देने के लिये **वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग (DSIR) की एक पहल** है।

- इसका उद्देश्य समाज के लिये कार्यान्वयन योग्य और व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य नवाचारों का प्रोत्साहन, समर्थन और वित्तपोषण करके **व्यक्तिगत नवोन्मेषकों (Innovators) को एक सफल तकनीकी उद्यमकर्ता (Technopreneur) बनाना** है।
- इस पहल के अंतर्गत भारतीय विद्यार्थियों, पेशेवरों और आम नागरिकों को **डी.एस.आई.आर. द्वारा तकनीकी, रणनीतिक एवं वित्तीय सहायता** प्रदान की जाती है, ताकि वैचारिक विकास, प्रोटोटाइप विकास, पायलट स्केलिंग (छोटे पैमाने पर एक प्रारंभिक अध्ययन) और पेटेंट को बढ़ाया जा सके। इसके अंतर्गत अनुदान दो चरणों में दिया जाता है।
- इस कार्यक्रम को ऊर्जा, स्वास्थ्य सेवा, हरित प्रौद्योगिकी, स्वच्छ ऊर्जा, अपशिष्ट प्रबंधन और अन्य क्षेत्रों में लागू किया गया है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने डी.एस.आई.आर.-प्रिज़्म योजना के प्रसार के लिये एक जागरूकता कार्यक्रम का उद्घाटन किया है।

प्रथम एवं द्वितीय बैच फुल | तृतीय बैच में नामांकन जारी | 7428085757/58